Edit with WPS Office

गिल्लू

- महादेवी वर्मा

◆प्रश्न : गिलहरी के बच्चे को कौन अपना आहार बनाना चाहता था ?

उत्तर : गिलहरी के बच्चे को कौवे अपना सुलभ आहार बना लेना चाहते थे।

Edit with WPS Office

◆ प्रश्न : लेखिका ने गिल्लू की कैसे सेवा की ?

उत्तर : लेखिका गिल्लू को लेकर अपने कमरे में आई । उसके घाव पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया और रुई की पतली बाती के द्वारा उसे दूध पिलाने की कोशिश की।

◆प्रश्न : गिल्लू को खाने में क्या पसंद था?

उत्तर : गिल्लू को खाने में काजू पसंद था ।

Edit with WPS Office

◆प्रश्न :गिल्लू लेखिका की थाली के पास बैठकर क्या करता था?

उत्तर :गिल्लू लेखिका के थाली के पास बैठकर उनकी थाली से एक- एक करके चावल के दाने को उठाकर खाता था।

◆प्रश्न :गिल्लू को कहां समाधि दी गई और क्यों ?

उत्तर : गिल्लू को सोनजुही की लता के नीचे समाधि दी गई, क्योंकि उसे वह स्थान सबसे अधिक प्रिय थी।

Edit with WPS Office

अतिरिक्त प्रश्न

प्रश्न: लेखिका ने बरामदे में कौओं को क्या करते देखा?

उत्तर: बरामदे में लेखिका ने कौओं को छुवा-छुवौवल जैसा खेल खेलते देखा।

Edit with WPS Office

प्रश्न: परिचारिका किसे कहते हैं?

उत्तर: परिचारिका से तात्पर्य रोगी की देखभाल करने वाली सेविका से है।

प्रश्न: महादेवी जी की अस्वस्थता में उनके बालों को हौले-हौले कौन सहलाता रहता था?

उत्तर: महादेवी जी की अस्वस्थता में गिल्लू उनके बालों को हौले-हौले सहलाता रहता था।

Edit with WPS Office

प्रश्न: गर्मियों की दोपहर में गिल्लू की क्या चर्या थी?

उत्तर: गर्मियों की दोपहरी में गिल्लू घर के बाहर नहीं जाता था। वह अपने झूले में भी नहीं बैठता था। वह लेखिका के पास रखी सुराही पर लेटा रहता था। इस तरह से वह लेखिका के समीप भी रहता था और ठंडक में भी।

Edit with WPS Office

प्रश्न: लेखिका को कैसे अहसास हुआ कि गिल्लू का अंत आ गया है?

उत्तर: गिल्लू ने न दिनभर कुछ खाया और न ही अपने घोंसले को छोड़कर बाहर गया, वैसे भी उसे लेखिका के पास रहते लगभग दो वर्ष हो गए थे; अत: उसकी आयु को पूर्ण हुआ देखकर लेखिका जान गई कि गिल्लू की जीवनयात्रा का अंत आ गया है।

Edit with WPS Office

प्रश्न: पाठ के आधार पर बताइए कि गिल्लू को लेखिका के पास रहते हुए कितना समय हो गया था?

उत्तर: गिल्लू को लेखिका के पास रहते लगभग दो वर्ष का समय हो गया था; क्योंकि लेखिका को गिल्लू नवजात शिशु के रूप में घायलावस्था में प्राप्त हुआ था और गिलहरियों का जीवनकाल दो वर्षों से अधिक नहीं होता। गिल्लू अब मरणासन्न अवस्था में है; अत: स्पष्ट है कि गिल्लू को लेखिका के पास रहते दो वर्ष बीत गए।

Edit with WPS Office

प्रश्न: गिल्लू के न रहने पर लेखिका ने क्या किया?

उत्तर: गिल्लू के न रहने पर लेखिका ने गिल्लू के प्रिय झूले को उतारकर रख दिया और खिड़की की उस जाली को भी बंद कर दिया, जिससे गिल्लू खिड़की के बाहर आता जाता रहता था।

Edit with WPS Office

प्रश्न: 'प्रभात की पहली किरण के स्पर्श के साथ ही वह किसी और जीवन में जागने के लिए सो गया'- का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: सुबह की पहली किरण ने जैसे ही गिल्लू का स्पर्श किया वैसे ही उसका प्राणांत हो गया। उसकी इस जीवन-लीला का अंत हो गया था और संभवतः किसी नए जन्म में नई जीवन-लीला में आँखें खोलने के लिए उसने इस जीवन से मुक्ति पा ली थी।

Edit with WPS Office

प्रश्न: गिल्लू किन अर्थों में परिचारिका की भूमिका निभा रहा था ?

उत्तर: दुर्घटनाग्रस्त होने पर जब कुछ दिन तक अस्पताल में रहने के बाद लेखिका घर आईं तो गिल्लू उनकी उस अवस्था की स्थिति में उनके तकिए के सिरहाने पर बैठकर अपने नन्हें-नन्हें पंजों से उनके सिर और बाँहों को एक परिचारिका की भाँति धीरे-धीरे सहलाता रहता था।

Edit with WPS Office

प्रश्न: गिलहरी के घायल बच्चे का उपचार किस प्रकार किया गया ?

उत्तर: लेखिका ने गिलहरी के घायल बच्चे को कमरे में लाकर पहले उसका रक्त पोंछा और फिर उसके घावों पर मरहम लगाया। उसके बाद रुई की बत्ती को दूध में भिगोकर कई घंटों तक उसे दुध पिलाने का प्रयास किया गया। तब कहीं तीसरे दिन तक वह स्वस्थ हो सका।

Edit with WPS Office